निःशक्त बने सशक्त

खिल्लीमल जैन
पूर्व आयुक्त, निःशक्तजन, राज0, अलवर।

प्रायः किसी भी निःशक्त व्यक्ति को देखकर आम जन के मन में यह धारणा उत्पन्न होती है कि "देखो बेचारे को" तथा उसके प्रति दया करूणा का भाव पैदा होता है, लेकिन इसमें उस व्यक्ति का क्या दोष है? यह कभी किसी ने सोचा है?

मेरा विचार है कि निःशक्तता कोई अभिशाप नहीं है। माँ–बाप की गलतियों के कारण, प्रसवपूर्व, प्रसवकाल के दौरान सक्षम प्रसाविका के अनुभव के अभाव में अथवा प्रसव के पश्चात् किन्हीं कारणों से किसी भी व्यक्ति में निःशक्तता उत्पन्न हो सकती है, लेकिन यदि निःशक्त अपने आपको सशक्त समझे, अपना आत्मबल बढ़ाये और यह महसूस करें कि "हम भी किसी से कम नहीं हैं" तो उसकी निःशक्तता किसी भी प्रकार से अभिशाप साबित नहीं हो सकती है और उसके जीवन में आगे बढ़ने में आड़े नहीं आ सकती है।

समाज के लोगों को भी यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि किसी भी व्यक्ति में शारीरिक रूप से कोई कमी होने के कारण वह व्यक्ति निःशक्त नहीं हो जाता है, बल्कि उसकी शारीरिक निःशक्तता को ध्यान में रखते हुए यदि उसे उसके करने योग्य कार्य उपलब्ध कराया जाये तो वह व्यक्ति समाज के अभिन्न अंग के रूप में उपयोगी हो सकेगा तथा वह किसी पर भी आश्रित नहीं रहेगा। आवश्यकता है इस बात की पहचान करने की कि वह व्यक्ति किसी कार्य के लिए उपयोगी है। उदाहरण के तौर पर नेत्रहीन व्यक्तियों को ही लें। आज नेत्रहीन व्यक्तियों ने शिक्षा के क्षेत्र में बी.ए. बी.एड., एम.ए.,एम.एड., पी.एच.डी.,एम.फिल,एल.एल.बी. आदि डिग्रियाँ हासिल की हुई हैं तथा नेत्रहीन व्यक्ति शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालयों में प्राध्यापक के पद पर नियुक्त हैं तथा विभिन्न संस्थानों में निदेशकों एवं आयुक्त के पद पर पदासीन हैं। डा. भास्कर भाई योगेन्द्र मेहता, निःशक्तजन आयुक्त, गुजरात के पद पर पदस्थापित रहे हैं, जो पूर्णतया नेत्रहीन हैं , लेकिन गुजरात राज्य के निःशक्तजनों के कल्याणार्थ पूरा कार्य करते थे तथा वर्तमान में मुख्य आयुक्त निःशक्तजन के पद पर श्री प्रसन्न कुमार पिंचा कार्यरत हैं। इसी प्रकार दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो0 अनिल अनेजा एक ऐसे जीते–जागते व्यक्ति हैं जो न केवल अंग्रेजी भाषा, अपितु निःशक्त व्यक्ति से सम्बन्धित संयुक्त राष्ट्र के चार्टर व अन्य निःशक्तजन सम्बन्धी कानूनों का भी पूर्ण ज्ञान रखते हैं। डॉ. अनुराधा मोहित राष्ट्रीय दृष्टिबाधित संस्थान, देहरादून में निदेशक के पद पर कार्यरत रही हैं, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न बैठकों में भाग लिया है।

इसी श्रृंखला में यदि महाकवि सूरदास का ध्यान करें, जिनकी रचनाएं आज तक भी विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में हैं और शोध का विषय हैं तथा प्रख्यात संगीतकार श्री रवीन्द जैन ने सारे विश्व में देशभक्ति एवं धार्मिक भजनों का संगीतमय प्रस्तुतीकरण करके एक कीर्तिमान स्थापित किया है, वह भी तो दृष्टिहीन हैं। वर्तमान व्यवस्था में जब बोलने वाले कम्प्यूटर्स का विकास हो चुका है तो नेत्रहीन कम्प्यूटर आपरेटर व्यवसायिओं के लिए सबसे ज्यादा विश्वसनीय व्यक्ति साबित हो रहे हैं तथा राष्ट्रीय नेत्रहीन विकास संस्थान, जोधपुर से प्रशिक्षित कम्प्यूटर आपरेटरों की मांग गुजरात में हमेशा बनी रहती है। इसी प्रकार नेब फिरोज एवं नोशिर मेरवानजी अंधजन विद्यालय, आबूपर्वत, सिरोही से प्रशिक्षित नेत्रहीन मोटर वाइंडिंग आपरेटर के रूप में अहमदाबाद में कार्यरत हैं तथा उनका कार्य वहाँ के प्रबन्धकों द्वारा सराहा गया है। मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र (एम.आई.ए.) अलवर में 8 नेत्रहीन आपरेटर लेथ मशीन पर कौशल इंजीनियर्स में कार्यरत हैं, जिनका उत्पादन अन्य श्रमिकों की अपेक्षा अधिक है।

इसी प्रकार चलन निःशक्तता को देखें तो न्यूटन की जगह पर वर्तमान में विराजमान वैज्ञानिक स्टीफन हाकिंग बोलने तथा दोनों हाथों व पैरों से कार्य करने में असमर्थ हैं, लेकिन सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक के रूप में पदस्थापित हैं। डॉ. कुसुमलता भण्डारी एक ऐसी सशक्त महिला है जो विगत् 50 वर्षों से अधिक समय से व्हील चेयर से चलती हैं और जिन्होंने जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के पद पर रहते हुए ''प्रज्ञा निकेतन'' के माध्यम से अब तक सैंकडों नेत्रहीन बच्चों को बी.ए.,बी.एड., एम.ए.,एम.एड., पी.एच.डी. आदि कराकर राजस्थान लोक सेवा आयोग के माध्यम से शिक्षक के पद पर नियुक्ति दिलवाई है।

दृष्टिबाधित श्री जी0पी0पारीक, आर ए एस, वर्तमान में उपायुक्त निःशक्तजन का दायित्व निर्वहन कर रहे हैं तथा डा0 आकाशदीप अरोडा जो कि पूर्णतः दृष्टिबाधित हैं, ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा में मैरिट में 12वाँ स्थान प्राप्त किया एवं वर्तमान में शिक्षा विभाग में पदस्थापित हैं। इसी प्रकार अलवर जिले की बीबीरानी ग्राम की सुनिता यादव सी डी पी ओ के पद पर राज्य सेवा में सेवारत हैं।

गुडगांवा के एक औद्योगिक संस्थान में कारखाने के मुख्य द्वार पर अधिकाशतः श्रमिकों के बीच झगड़े हुआ करते थे, लेकिन वहाँ के सुरक्षा प्रहरियों के रूप में मूक–बधिर व्यक्तियों को नियुक्ति प्रदान की गई तो उस औद्योगिक संस्थान के मुख्य द्वार पर होने वाले समस्त झगड़े स्वतः समाप्त हो गए, क्योंकि मूक–बधिर व्यक्ति अच्छा भजन सुन व गा नहीं सकता तो वह किसी को गाली देता भी नहीं है और किसी की गाली सुनता भी नहीं, जिससे उसके मन में किसी के प्रति प्रतिशोध की भावना उत्पन्न नहीं होती है तथा ऐसे व्यक्तियों को यदि शांत भाव से काम करने के लिए चुना जाये तो वे अधिक कारगर साबित होते हैं।

राजस्थान की तत्कालीन मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे द्वारा मुझे आयुक्त निःशक्तजन, राजस्थान के पद पर नियुक्ति प्रदान करने के पश्चात् मैंने दिनांक 5.7.07 को कार्यभार सम्भाला तो राजस्थान की सभी पंचायत समितियों में 50 हजार से अधिक निःशक्त व्यक्तियों को राज्य सरकार के खाते से कुछ न कुछ लाभ दिलाने का प्रयास किया है, 2–3 जिलों को छोड़कर समूचे राजस्थान में पंचायत समिति स्तर पर शिविरों का आयोजन प्रथम बार हुआ। इन शिविरों के माध्यम से राज्य सरकार एवं निजी संस्थाओं के अलावा पण्डित दीनदयाल उपाध्याय विकलांगजन संस्थान के माध्यम से उपकरण वितरित हुए। जिससे राजस्थान के निःशक्तजनों में आत्मविश्वास जागृत हुआ, लेकिन बेरोजगारी की पीड़ा मैंने मेरे पास आने वाले निःशक्त व्यक्तियों में महसूस की।

मैंने उक्त अनुभव के आधार पर निजी सस्थानों में निःशक्तजन की भागीदारी पर विचार किया। भीलवाड़ा में तत्कालीन जिला कलेक्टर श्री हेमन्त गेरा के प्रयासों से सम्बल अभियान प्रारम्भ किया गया तथा विभिन्न औद्योगिक समूहों में 100 व्यक्तियों को दिनांक 7–10–07 को नियुक्तियाँ कराई गयी। इसके अलावा राज्य सरकार की स्वरोजगार के लिए विश्वास योजना, मोबाइल कियोस्क योजना व प्रधानमंत्री रोजगार योजना, राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना का लाभ निःशक्त व्यक्तियों को उपलब्ध कराने का प्रयास किया, जिसमें करीब 20 हजार लोगों को नियोजन के अवसर मिले। मैनें राजस्थान के सभी जिलों में विकलांग जन सुनवाई (मोबाईल कोर्ट) का आयोजन कर घर बैठे निःशक्तजनों की समस्या को सुलझाने एवं राहत प्रदान करने का प्रयास किया, जिससे मुझे निःशक्तजन की पीड़ा का अनुभव हुआ कि वे स्वयं को असहाय व असमर्थ समझते हैं।

अतः मेरा सभी निःशक्त भाइयों से अनुरोध है कि वे अपने आपको निःशक्त नहीं समझें एवं स्वयं को सशक्त बनाने के लिए हर सम्भव प्रयास करें। किसी शायर ने कहा है कि "खुदी को कर बुलन्द इतना, कि खुदा बन्दे से खुद पूछे, बता तेरी रजा क्या है?"

मैं इस सम्बन्ध में यह भी स्पष्ट करना चाहता हूँ कि मेरे राजनीतिक मित्रों ने मुझे साइड विजन डिफेक्ट होने एवं रेटिनाइटिस पिग्मेंटोसा (Retinitis Pigmentossa) से ग्रसित होने के कारण (रात्रि को देखने में कठिनाई होने से) मेरे बारे में कहा जाने लगा कि उन्हें दिखता नहीं हैं, क्या काम दें, लेकिन उक्त कमियाँ कभी मेरे जीवन में बाधक नहीं बनीं तथा जब मुझे अवसर मिला तो मैंने यह साबित कर दिखाया कि निःशक्त भी सशक्त हैं।

इस सब में मेरा साथ मेरे आत्मबल ने दिया है एवं अन्य शब्दों में कहूं तो मेरे गुरूजनों के आशीर्वाद ने । इसलिए मैं मेरे सभी निःशक्त साथियों से निवेदन करना चाहूंगा कि वे आत्मविश्वास के साथ आगे बढें, कभी अपने आपको निःशक्त नहीं समझें व आगे बढ़ने में आने वाली बाधाओं को पार करने में आत्मबल को आगे बढ़ायें, सफलता निश्चित रूप से आपके कदम चूमेगी।

शुभकामनाओं के साथ।

अभी तक किए सर्वेक्षण के आधार पर निःशक्त व्यक्ति निम्नलिखित कार्यों को अंजाम दे सकते हैं :–

1– नेत्रहीन

सब्जी बेचना, बैल्ट स्टॉल, फल विक्रेता, फ्रूट ज्यूस स्टॉल, पाफ्ड राईस, कैंचियों और चाकुओं को धार लगाना, पूजा के सामान का विक्रय, चीज विक्रेता, डोमेस्टिक युजेबल प्लास्टिक आइटम, गन्ने व फलों का ज्यूस, चाय–नाश्ते की दुकान, हैल्थ क्लब, कारपेन्टर, ब्लैकस्मिथ, साइकिल रिपेयरिंग शॉप, बिजली के उपकरण, क्लिनिंग, टू व्हीलर रिपेयरिंग, हायरिंग ऑफ साउण्ड सिस्टम, हायरिंग ऑफ जेनेरेटर एण्ड लाइटिंग, हायरिंग ऑफ डोमेस्टिक एप्लाइंसेस रिपेयरिंग, आयरन सर्विसिंग एण्ड वैक्यूमेलाइजिंग शॉप, रिपेयरिंग एण्ड सर्विसिंग ऑफ एग्रीकल्चर टूल्स, एस.टी.डी. एण्ड फैक्स सुविधा, म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट रिपेयरिंग, साइकोथैरेपी सेन्टर, फोटो स्टेट, लेमिनेशन और स्पाइरल बाइन्डिंग, गार्डनिंग, म्यूजिकल बैंड, सीमेंट जाली पाइप, फ्लावर पॉट बनाना, केन के सामान बनाना, चॉक बनाना, मोमबत्ती बनाना, अगरबत्ती बनाना, जूट के सामान बनाना, पर्स, बैग बनाना, रोप बनाना, बुक बाइण्डिंग, सॉस, पापड, आचार और बड़ी बनाना, ब्रूम बनाना, सी.बी. ब्रिक्स बनाना, पैकिंग, लीफ कप–प्लेट बनाना, बम्बू आइटम बनाना, फर्नीचर बनाना, नोट बुक कापी फाइल बनाना, हैण्डलूम प्रोडेक्ट बनाना, राइस प्रोसेसिंग हुलर, डेयरी यूनिट, पोट्री, पेपर बैग बनाना, लेडीज कॉर्नर, ब्लाउज पेटीकोट मैचिंग सेन्टर, क्लॉथ सेंटर, जनरल स्टोर, Utensil शॉप, स्वीट स्नैक्स शॉप, Betel शॉप, हार्डवेयर एण्ड पेन्ट शॉप, बुक एवं स्टेशनरी शॉप, वीडियो–वी.सी.डी.कैसेट की शॉप, वैरायटी स्टोर, इलैक्ट्रिक व इलैक्ट्रानिक सामान की दुकान, घड़ी ठीक करने की दुकान, साइकिल रिपेयरिंग व बेचने की दुकान, ढाबा व रेस्टोरेन्ट, Seed fertilizer & Pesticides shop, टैन्ट हाउस, ट्रेवल एजेन्ट, बिल्डिंग मेटेरियल, आटा चक्की आदि।

2– श्रवण बाधिता से ग्रसित

सुरक्षा कार्मिक, हाउस कीपिंग का कार्य, ब्यूटी पार्लर, रसोई, लाउण्ड्री, मोची, नाई, प्रेस करना, चेयर केनिंग, कार्मशियल आर्ट, फोटो फ्रेमिंग, सिलाई और रिपेयरिंग ऑफ कवर्स, सब्जी बेचना, बैल्ट स्टॉल,, पाफ्ड राईस, फल विक्रेता, फ्रूट ज्यूस स्टॉल, रिक्शा खींचना, आटा चक्की चलाना, पूजा के सामान का विक्रय, चीज विक्रेता, डोमेस्टिक युजेबल प्लास्टिक आईटम, गन्ने का ज्यूस, चाय–नाश्ते की दुकान, हैल्थ क्लब, कारपेन्टर, ब्लैकस्मिथ, साइकिल रिपेयरिंग शॉप, इल्क्ट्रानिक इक्युपमेंट्स क्लिनिंग, रिपेयरिंग ऑफ डीजल इंजन पम्प, टू व्हीलर रिपेयरिंग, हायरिंग ऑफ साउण्ड सिस्टम, हायरिंग ऑफ जेनेरेटर एण्ड लाइटिंग, हायरिंग ऑफ डोमेस्टिक एप्लाइंसेस रिपेयरिंग, टायर सर्विसिंग एण्ड वैक्यूमेलाइजिंग शॉप,

रिपेयरिंग एण्ड सर्विसिंग ऑफ एग्रीकल्चरर टूल्स, एस.टी.डी./पी.सी.ओ. एण्ड फैक्स सुविधा, म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट रिपेयरिंग, साइकोथैरेपी सेन्टर, फोटो स्टेट, लेमिनेशन और स्पाइरल बाइन्डिंग, गार्डनिंग, म्यूजिकल बैंड, सीमेंट जाली पाइप, फ्लावर पॉट बनाना, केन के सामान बनाना, चॉक बनाना, मोमबत्ती बनाना, अगरबत्ती बनाना, जूट के सामान बनाना, पर्स, बैग बनाना, एग्रीकल्चर इंप्लीमेंट मेन्यूफैक्चरिंग, रोप बनाना, बुक बाइण्डिंग, सॉस, पापड, आचार और बडी बनाना, ब्रूम बनाना, सी.बी. ब्रिक्स बनाना, प्रासेसिंग ऑफ मेज और रागी, पैकिंग, कप–प्लेट बनाना, बम्बू आइटम बनाना, मधुमक्खी पालन, फर्निचर बनाना, नोट बुक कापी फाइल बनाना, हैण्डलूम प्रोडेक्ट बनाना, राइस प्रोसेसिंग हुलर, डेयरी यूनिट, पोट्री, पेपर बैग बनाना, लेडीज कॉर्नर, ब्लाउज पेटीकोट मैचिंग सेन्टर, क्लॉथ सेंटर, जनरल स्टोर, Utensil शॉप, स्वीट स्नैक्स शॉप, Betel शॉप, बुक एवं स्टेशनरी शॉप, वीडियो–वी.सी.डी.कैसेट की शॉप, वैरायटी स्टोर, इलैक्ट्रिक व इलैक्ट्रानिक सामान की दुकान, घड़ी ठीक करने की दुकान, साइकिल रिपेयरिंग व बेचने की दुकान, गिफ्ट आइटम सेंटर, फोटो ग्राफी/वीडियो ग्राफी, ढाबा व रेस्टोरेन्ट, Seed fertilizer & Pesticides shop टैन्ट हाउस, साइबर कैफे, आइसक्रीम पार्लर, ट्रेवल एजेन्ट, बिल्डिंग मेटेरियल, आटा चक्की, स्पोर्ट्स एम्पोरियम, आदि कार्य

ये लोग संकेतों की भाषा से सारा कार्य समझ लेते हैं तथा कार्यालय में भी एक सीमित श्रवण बाधिता की स्थिति में स्वागतकर्ता, खजांची एवं मैनेजर का कार्य करने में भी सक्षम हैं।

3– अस्थि विकलांगता से ग्रसित –

मोची, नाई, प्रेस करना, घरेलू एप्लाइंसेस, कुर्सी केनिंग, फोटो फ्रेमिंग, सिलाई एवं रिपेयरिंग आफॅ कवर्स, सब्जी बेचना, बैल्ट स्टॉल, पाफ्ड राईस, फल विक्रेता, चाय नाश्ते की स्टॉल, टू व्हीलर रिपेयरिंग, फास्ट फूड स्टॉल, फ्रूट ज्यूस स्टॉल, रिक्शा खींचना, आटा चक्की, पूजा का सामान बेचना, चीज बेचना, डोमेस्टिक यूजेबल प्लास्टिक आइटम बेचना, गन्ने का ज्यूस, आदि।

4–मानसिक रूप से विमंदित –

मोची, लाउण्ड्री, प्रेस करना, फोटो फ्रेमिंग, सिलाई व रिपेयरिंग ऑफ कवर्स, सब्जी विक्रय करना, बैल्ट स्टॉल, पाफ्ड राईस, पनीर आदि की बिक्री, प्लास्टिक के सामान का विक्रय, फल विक्रेता, फ्रूट ज्यूस स्टॉल, पूजा के सामान का विक्रय, चीज विक्रेता, डोमेस्टिक युजेबल प्लास्टिक आईटम, गन्ने का ज्यूस, कारपेंटरी, हायरिंग ऑफ साउण्ड सिस्टम, हायरिंग ऑफ जेनेरेटर एण्ड लाइटिंग, कारपेन्टरी, लाउण्ड्री, लाउड स्पीकर, जेनरेटर विद्युत आदि का सामान किराये पर देना, फुटवियर एवं चमडे के सामान की मरम्मत, माली, म्यूजिकल बैंड, लेडीज कार्नर, जनरल स्टोर, ऑडियो–वीडियो कैसेट सेल शॉप, वैरायटी स्टोर, गिफ्ट आइटम सेंटर, डेयरी पदार्थ बिक्री, आइसक्रीम पार्लर, सीड्स फर्टिलाइजर, आदि। उत्पादन कार्य जिसमें केन के सामान बनाना, चाक बनाना, मोमबत्ती बनाना, जूट उत्पादन, अगरबत्ती बनाने, रस्सी बनाना, प्लास्टिक का सामान बनाना, बुक बाइंडिंग, सॉस बनाना, अचार बनाना, ब्रूम बनाना, दालों की सफाई, पैकिंग मार्केटिंग, पत्थर व लकड़ी की कार्विंग, माली, डेयरी यूनिट, कागज की थैली निर्माण आदि।

न मुँह छुपा के जिओ, न सिर झुका के जिओ।
गमों का दौर भी आए तो, सिर उठा के जिओ।।